NATIONAL EDUCATION As Per NEP 2023 2023

BALGOKULAM

THREE STAR RHYMES & STORIES

C

TIMELY PUBLICATION

Kil-Bil
SERIES

TIMELY PUBLICATION

BALGOKULAM

THREE STAR

RHYMES

C

PASTE YOUR PHOTO

My name is .....

I am ..... years old.

I am in standard .....

My school name is.....

.....

By Mrs. Vaishnavi S. Giri

Contents

English Rhymes

1)	My Mother	3
2)	Happy Birthday	4
3)	My Father	5
4)	Seasons	6
5)	Save Water	7
6)	God	8
7)	Cartoon	9
8)	Birds	10
9)	Animals	11
10)	Five Potato Wadas	12
11)	Pretty Kite	13
12)	Rainbow	14

हिन्दी कविताएँ

१)	हमारी गड़ियाँ	१५
२)	तितली रानी	१६
३)	रेल गाडी	१७
४)	गिनती	१८
५)	गाजर	१९
६)	अखबार	२०
७)	सुरज	२१
८)	चिड़ियाँ	२२
९)	गर्मी	२३
१०)	हाथी राजा	२४
११)	मेरी बिल्ली	२५
१२)	सभी फलो मे सेब न्यारा	२६

मराठी कविता

१)	शेतकरी दादा	२७
२)	माकडाची टोळी	२८
३)	नदी	२९
४)	गजर झाला	३०
५)	छोटूसा बाळ	३१
६)	छकुली	३२
७)	आमचा मोती	३३
८)	वारा पाऊस	३४
९)	दिवाळी लाडू	३५
१०)	भोलानाथ	३६
११)	ताई	३७
१२)	मजा	३८

1. My Mother
My Mother, very dear,
Always takes my care.
Gives me hug when I fear,
When I hurt, her eyes are full of tears
Delicious food gives to eat,
My Mother is very sweet.

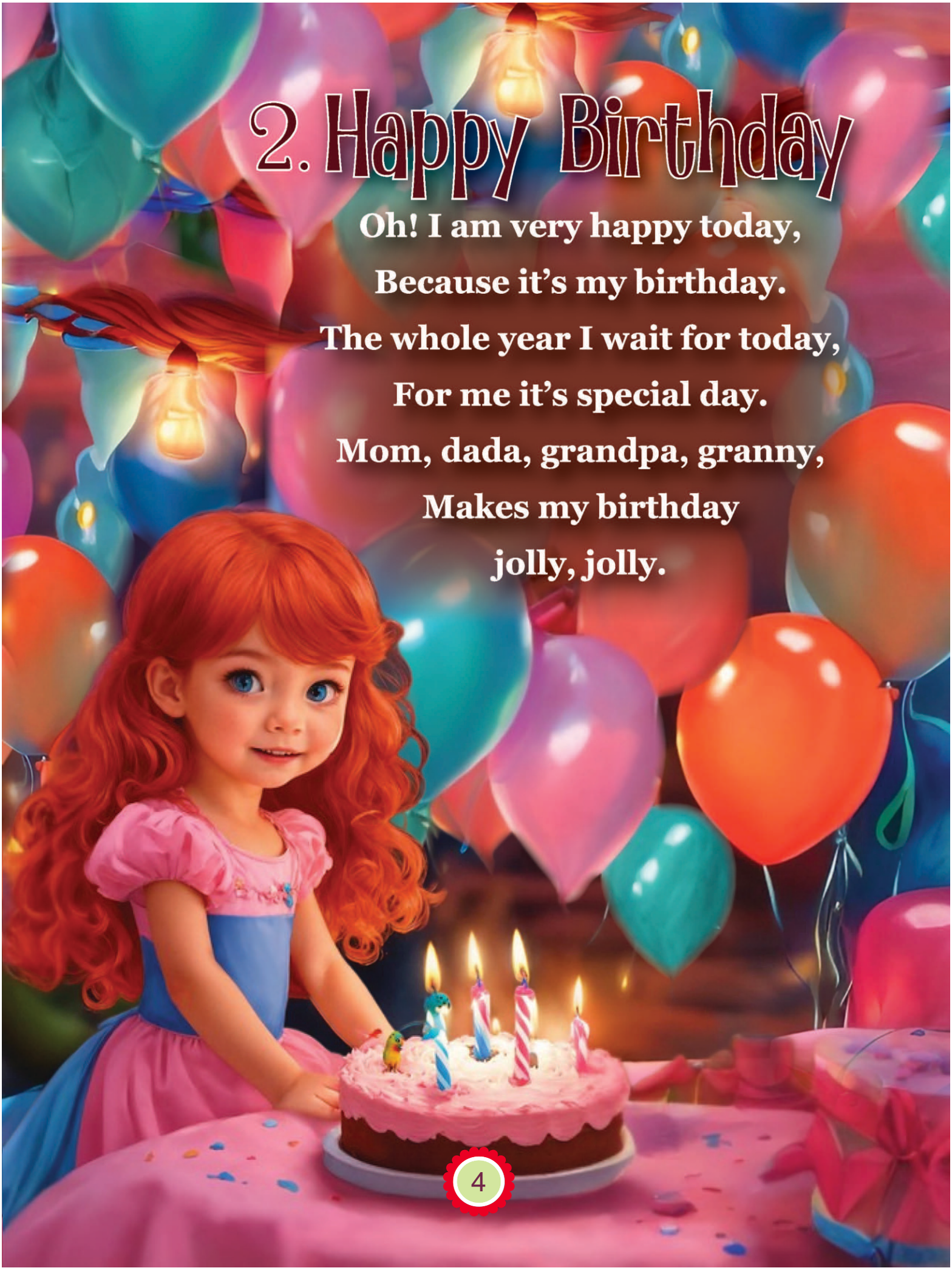
2. Happy Birthday
Oh! I am very happy today,
Because it's my birthday.
The whole year I wait for today,
For me it's special day.
Mom, dada, grandpa, granny,
Makes my birthday
jolly, jolly.

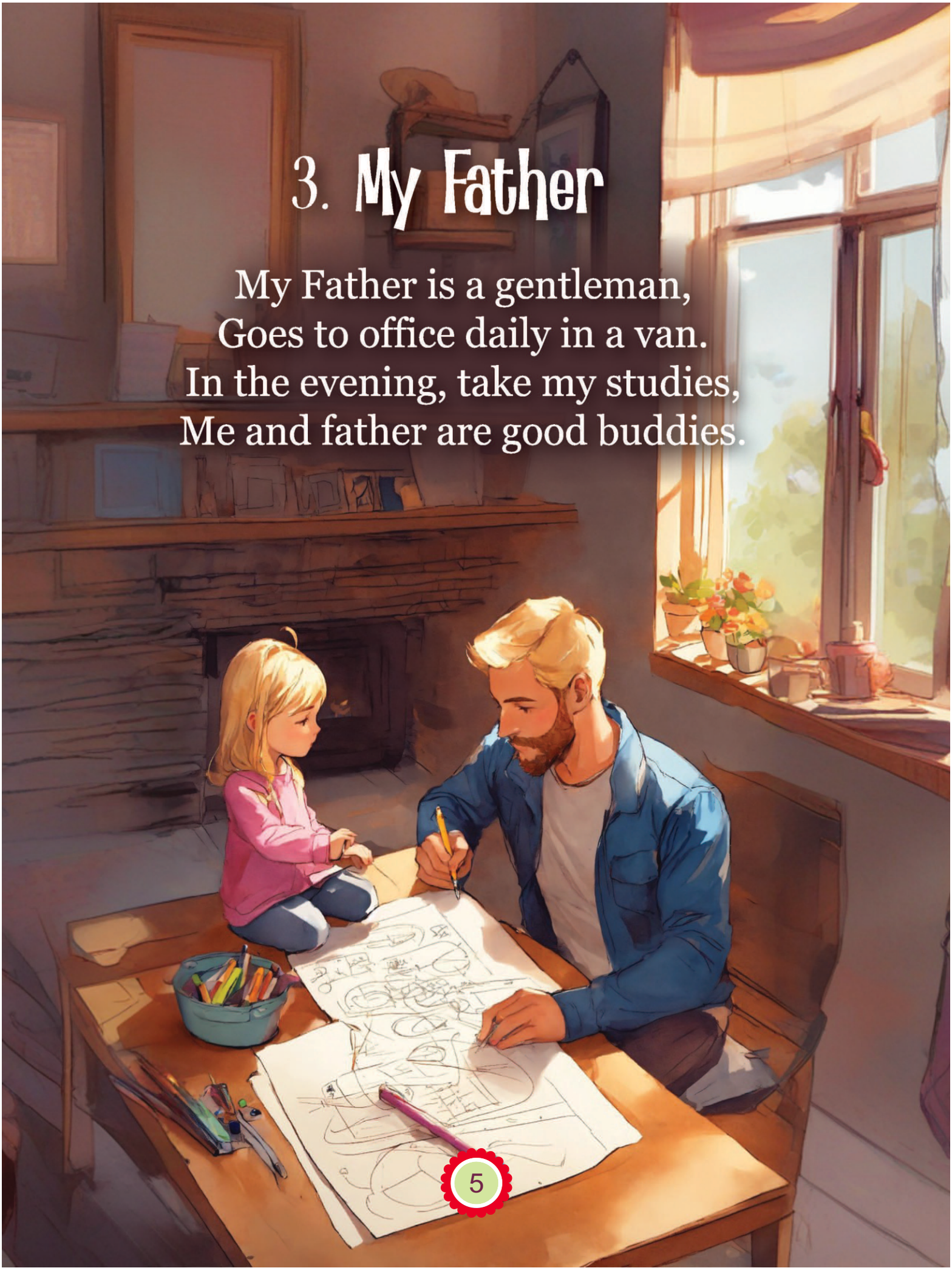

3. My Father

My Father is a gentleman,
Goes to office daily in a van.
In the evening, take my studies,
Me and father are good buddies.

4. Seasons
Seasons, Seasons, Seasons
I love all the seasons.
Ice- cream, lassi, mango-shake,
In summer, keep me fresh.
Hot soup, tea and coffee,
In winter, it gives me energy.
Children enjoys floating boats,
In rainy, we wear raincoats.

5. Save Water

Water! Water! Water!
Every needs water.
But I feel very sad,
When no one saves water.
So, let's vow together,
Not to waste,
A single drop of water.

6. God
God is here, god is there,
God is everywhere.
God is in the cloud,
God is in stars,
God is even in my heart.
He can see me, but I cannot,
He takes care but I do not.

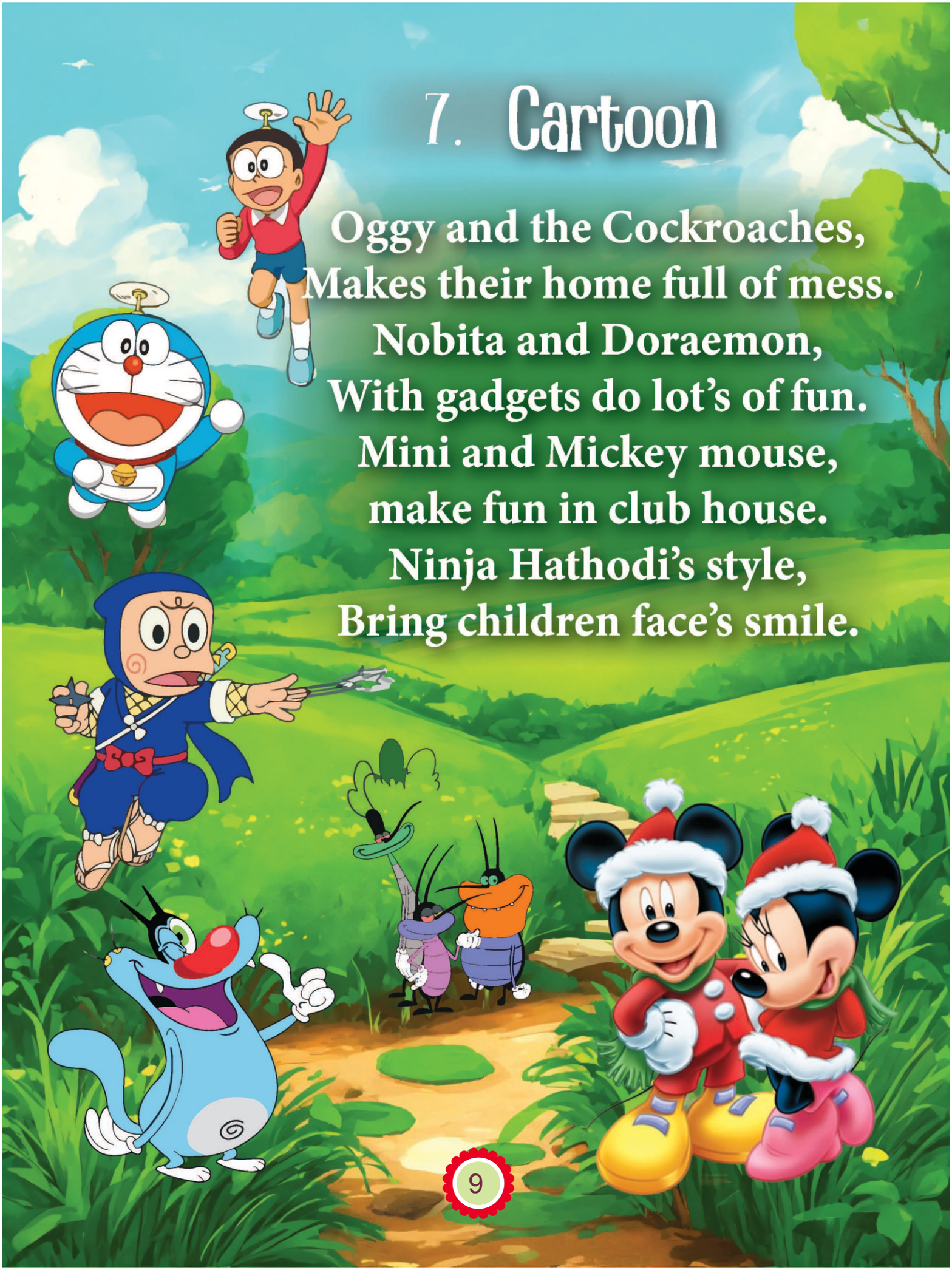

7. Cartoon

Oggy and the Cockroaches,
Makes their home full of mess.
Nobita and Doraemon,
With gadgets do lot's of fun.
Mini and Mickey mouse,
make fun in club house.
Ninja Hathodi's style,
Bring children face's smile.

8. Birds
Birds fly high and high,
Wants to touch
the beautiful sky.
Sometime's hither,
Sometime's thither,
Wonderfully fly with no fear.

9. Animals

Dog says bow! bow!
Please stand in a room.
Donkeys says bray! bray!
His color is grey.
Lion says roar! roar!
Come near if you dare.

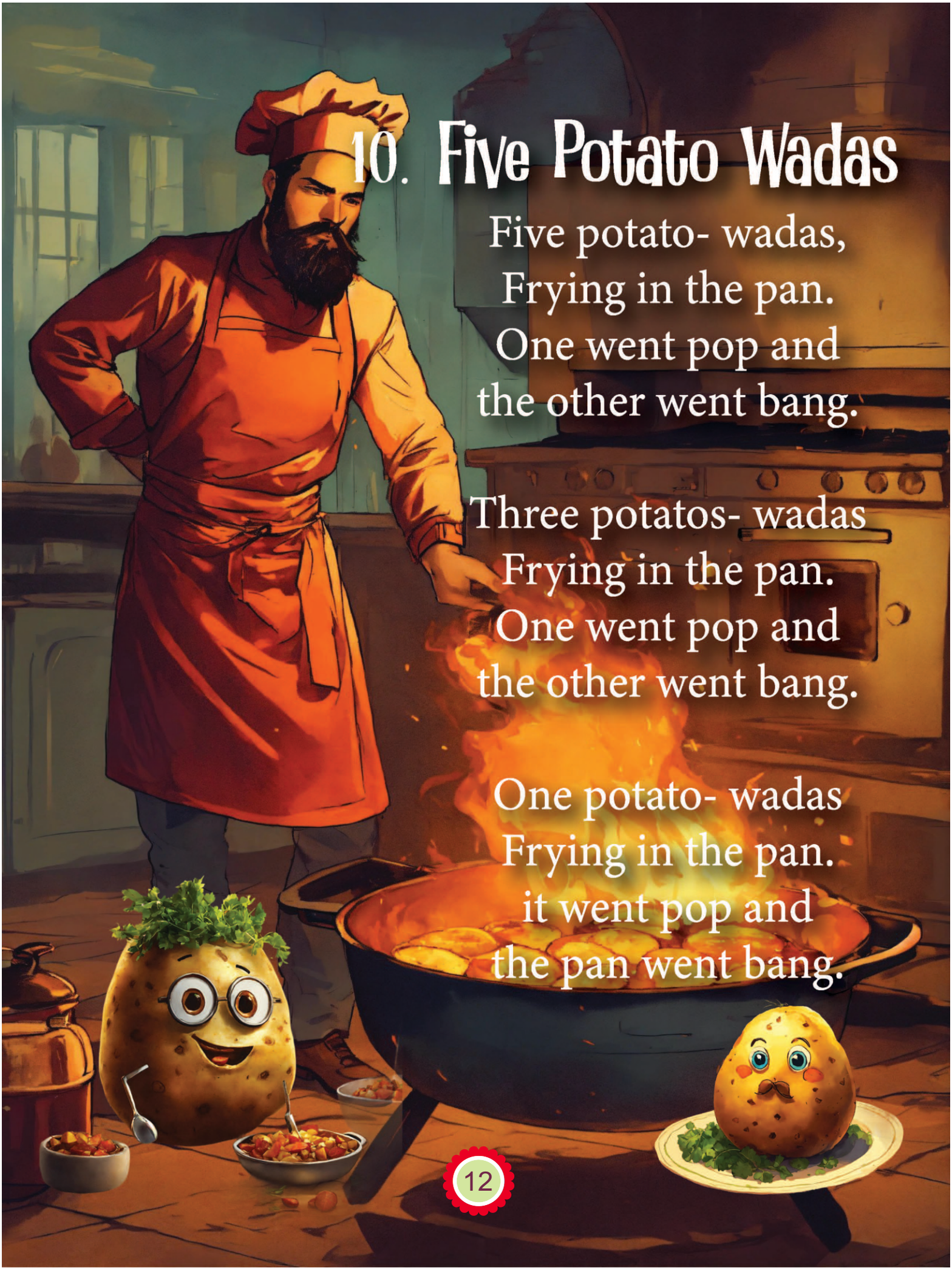

10. Five Potato Wadas

Five potato- wadas,
Frying in the pan.
One went pop and
the other went bang.

Three potatos- wadas
Frying in the pan.
One went pop and
the other went bang.

One potato- wadas
Frying in the pan.
it went pop and
the pan went bang.

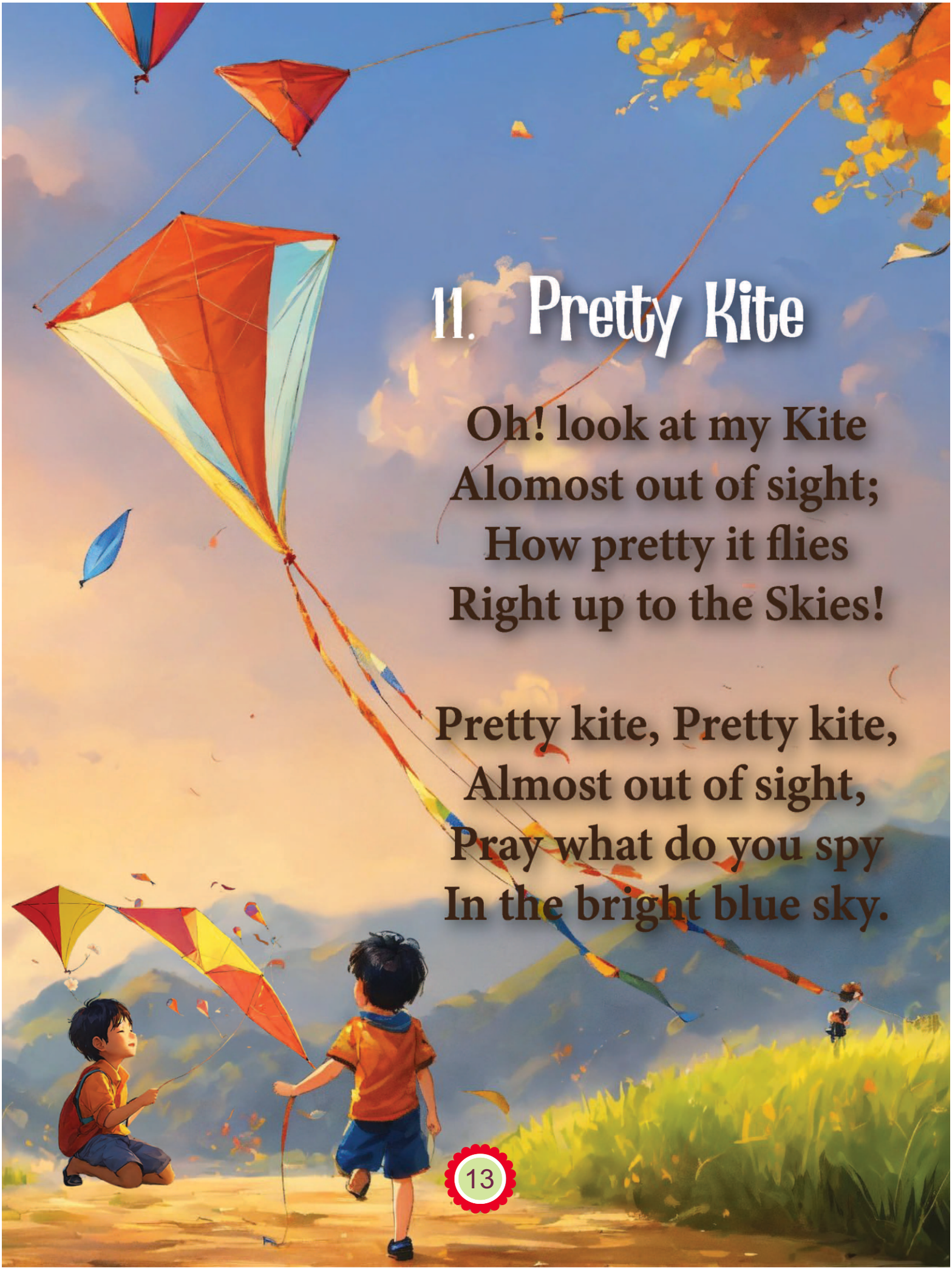

11. Pretty Kite

Oh! look at my Kite
Alomost out of sight;
How pretty it flies
Right up to the Skies!

Pretty kite, Pretty kite,
Almost out of sight,
Pray what do you spy
In the bright blue sky.

12. The Rainbow
The Sun and the rain in fickle weather
Were playing hide - and - seek together.
And each in turn would try to chase
The other from his hiding place.
At last they met to say good-bye
And rainbow spanned the sky.

१. हमारी गुडीयाँ

हमारी गुडीयाँ, हमारी गुडीयाँ ।
हमारी खुशी की हैं ये पुड़ियाँ ।।

ना तो ये ज़्यादा बाते करती ।
नहीं कोई शरारत करती ।।

हर रोज़ मैं उसे नहलाती ।
मेरे ही पसंद के कपडे पहनाती ।।

कभी ना छोडती मुझे अकेली ।
ये है मेरी सखी सहेली ।।

२. तितली रानी

तितली रानी, तितली रानी,
सबसे निराली, सबसे प्यारी।
पंख सजिले रंग बिरंगे,
लाल, गुलाबी, पिले, नीले ।
गाना गुनगुन गाती है,
हर कली को बहलाती है।
कितनी सुंदर, तितली रानी,
हमारी बगियाँ में आना रानी।

३. रेल गाडी

आओ बच्चों, चलो खेलेंगे खेल,
मिलकर सब बनाएंगे रेल ।
सिटी बजातेही चलेगी रेल,
देखो कैसे बढ़ेंगी अपनी रेल।
नागपुर जाने वाले सामने आयेंगे,
वहा सबको संत्रा खिलायेंगे।

भुसावल स्टेशन है आने वाला,
केले के बगिचे दिखने वाला।
रेल अब तेज़ भाग रही है,
खुब सिटीयाँ बाजा रही है।
आया स्टेशन, रुक गई रेल,
खत्म हुआ अब अपना खेल ।

४. गिनती

एक, दो, तीन, चार
आज मंगल है, कल बुधवार।
पाँच, छ, सात, आठ,
पूरा करूंगा सारा पाठ।
इनके आगे है नौ और दस,
पूरी हो गयी गिनती बस।

५. गाजर

बच्चों खाओं कच्चा गाजर,
खून बढ़ाता हैं यही गाजर।
स्फुर्ती लाता हैं गाजर,
स्वास्थ बढ़ाता हैं यही गाजर।
हलवा उसका सबको प्यारा
सबसे न्यारा, सबसे निराला।

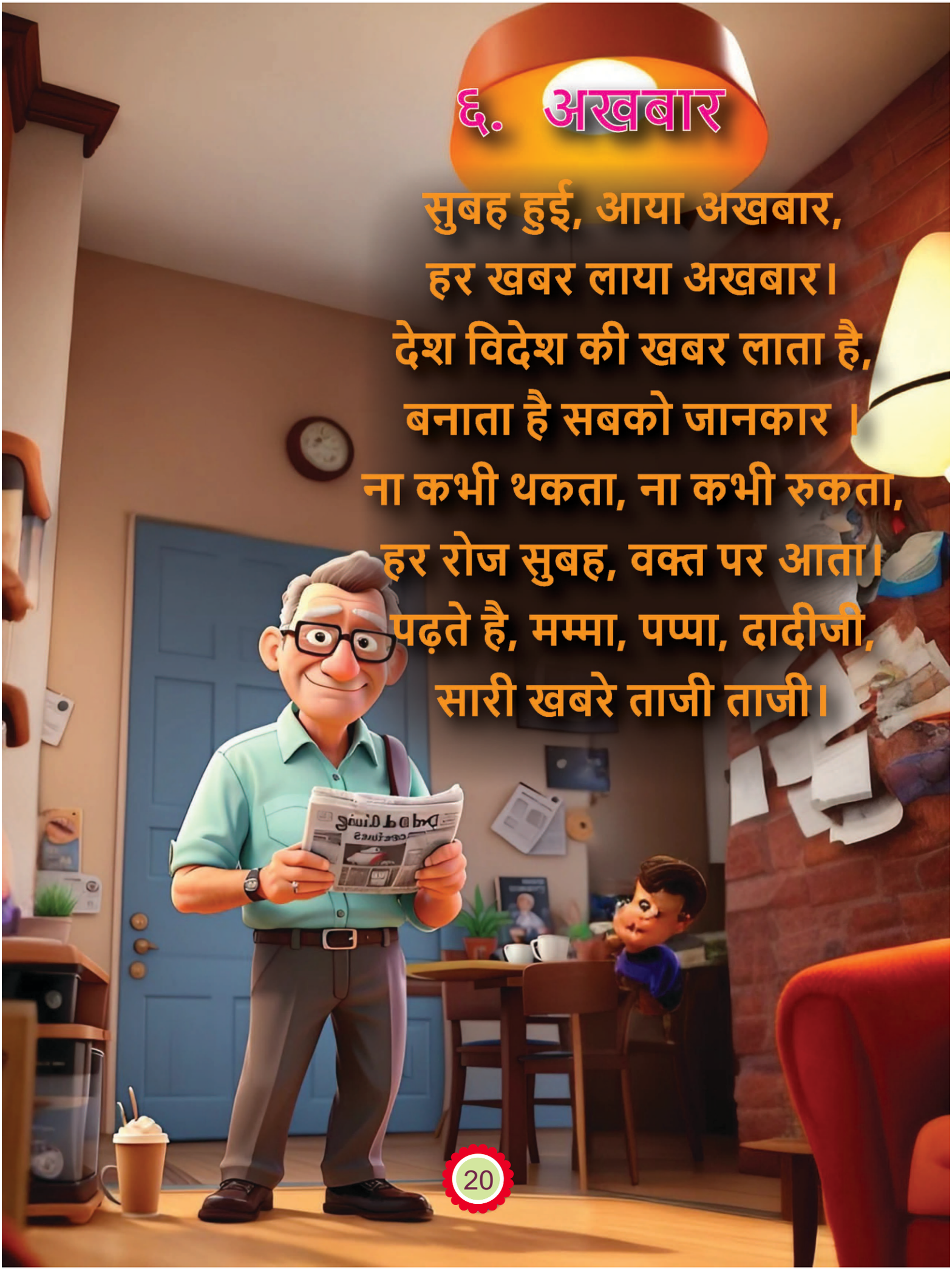

६. अखबार

सुबह हुई, आया अखबार,
हर खबर लाया अखबार।
देश विदेश की खबर लाता है,
बनाता है सबको जानकार ।
ना कभी थकता, ना कभी रुकता,
हर रोज सुबह, वक्त पर आता।
पढ़ते है, मम्मा, पप्पा, दादीजी,
सारी खबरे ताजी ताजी।

७. सुरज
हर रोज सुबह आकर,
सबको सदा जगाता हैं।
शाम हुई लाल छटायें फहराते,
अपने घर को जाता है।
दिनभर खुद को जलाकर
सबको प्रकाश देता है।
कोई ना करे ऐसा काम,
सुरज ही है सबका शान ।

८. चिड़ियाँ

चिड़ियाँ रानी, चिड़ियाँ रानी ।
तुम हो पेड़ो की रानी ।।
सुबह सवेरे उठ जाती हो।
ना जाने क्या गाती हो ।।
भर - भर चोंच खिलाती दाना ।
चूँ - चूँ चहक सुनाती गाना ।।

९. गर्मी

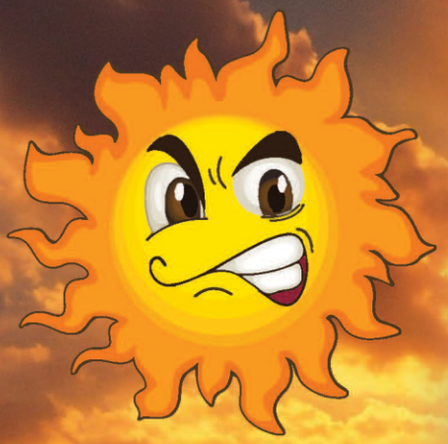

गर्मी आई, लाने आम
घर से निकले, बुध्दुराम
नहीं लिया, हाथों में छाता
गर्म हो गया, उनका माथा
दौड़े - दौड़े, घर को आए
पानी डाला, खुब नहाए
फिर वो बोले, हे भगवान
कैसे लाऊं, अब मैं आम?

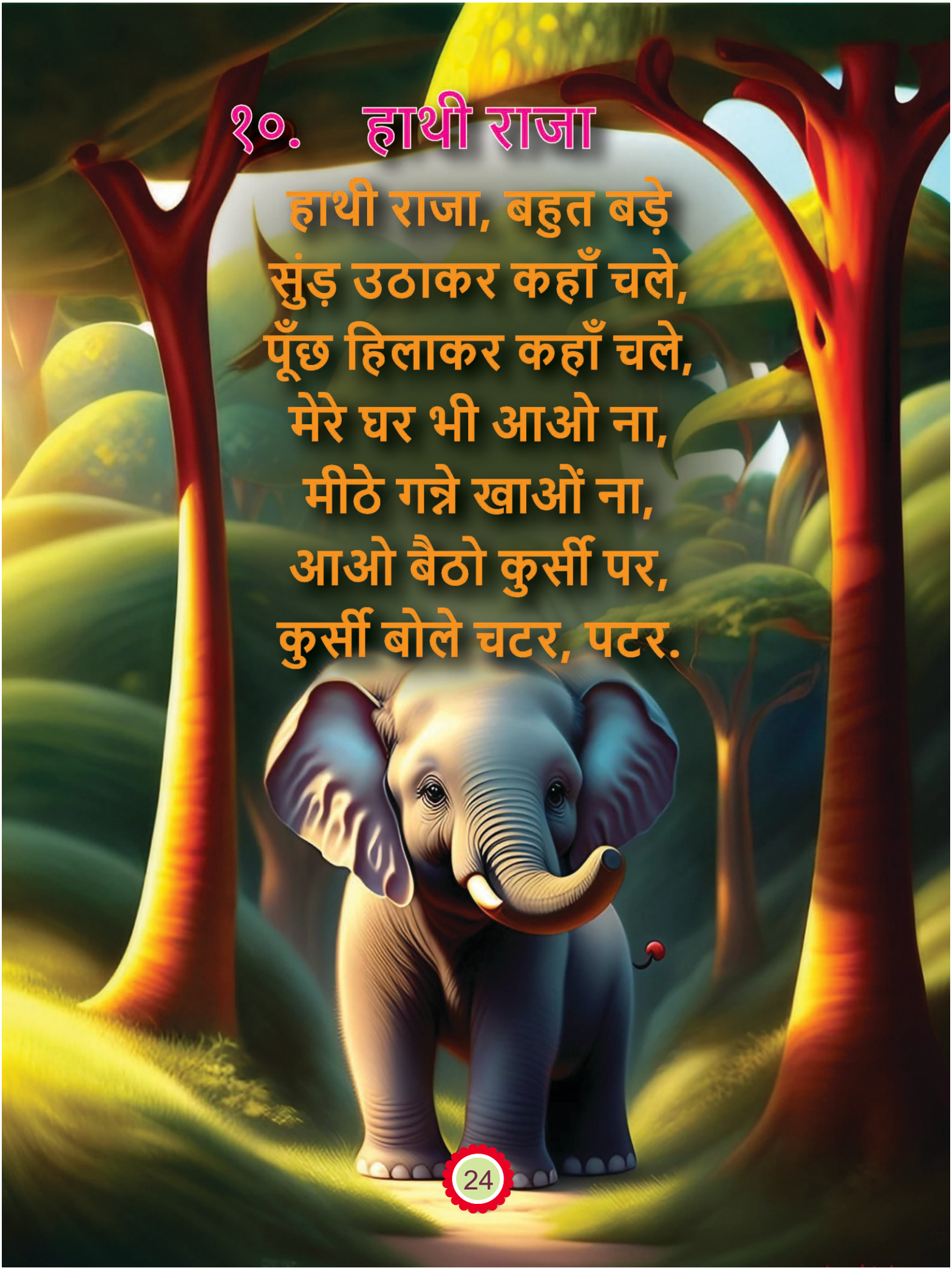

१०. हाथी राजा

हाथी राजा, बहुत बड़े
सुंड़ उठाकर कहाँ चले,
पूँछ हिलाकर कहाँ चले,
मेरे घर भी आओ ना,
मीठे गन्ने खाओं ना,
आओ बैठो कुर्सी पर,
कुर्सी बोले चटर, पटर.

११. मेरी बिल्ली

मेरी बिल्ली काली- पीली
पानी में हो गई गीली |
गीली होकर लगी छींकने
आ छूँ... आ छूँ... |
मैंने बोला कुछ तो सीख
मुँह पर हाथ रखकर छींक |

१२. सभी फलों में सेब है न्यारा

सभी फलों में सेब है न्यारा
लाल लाल सा प्यारा-प्यारा
एक सेब जो रोज हैं खाता
डॉक्टर को वो दूर भगाता।
मम्मी मुझको सेब खिला दो
वरना सेब का जुस पिला दो।

१. शेतकरी दादा

शेतकरी दादा शेतात,
नांगर घेवून जातात.
दाणा दाणा पेरतात,
कणसे खूप येतात.
कष्ट केवढे करतात,
धान्य मात्र आम्हास देतात.

२. माकडाची टोळी

आंब्याच्या झाडावर मकडाची टोळी आली,
धिंगा मस्ती त्यांची खूप सुरु झाली,
आंबे तोड, पाणे तोड, नासधूस झाली,
आजोबांनी मग शक्कल लढवली,
फटाका फोडताच, मकडाची पळापळ झाली.

३. नदी

निळ्या आभाळी सूर्य केशरी,
गर्द दाट ती हिरवी झाडी.
झुळझुणारी नदी एक ती,
त्यावर चाले सुंदर होडी.
कधी कळेना कोण येऊनी,
चित्र देखणे रोजच काढी.

४. गजर झाला

गजर झाला, उठू चला
अभ्यास सगळा, करू चला.
थोडे खेळू , थोडे खाऊ,
आईला मदत खूप सारी करू.
सागळे आपण शहाण्यासारखे राहू.

५. छोटुसा बाळ

छोटुसा बाळ, गोड गोड कसा,
जसा काही झोपला पिटुकला ससा.
इवले इवले हात पाय, गोबरे गोबरे गाल,
झोपाव्व्यात टाकले की झोपतो खुशाल.

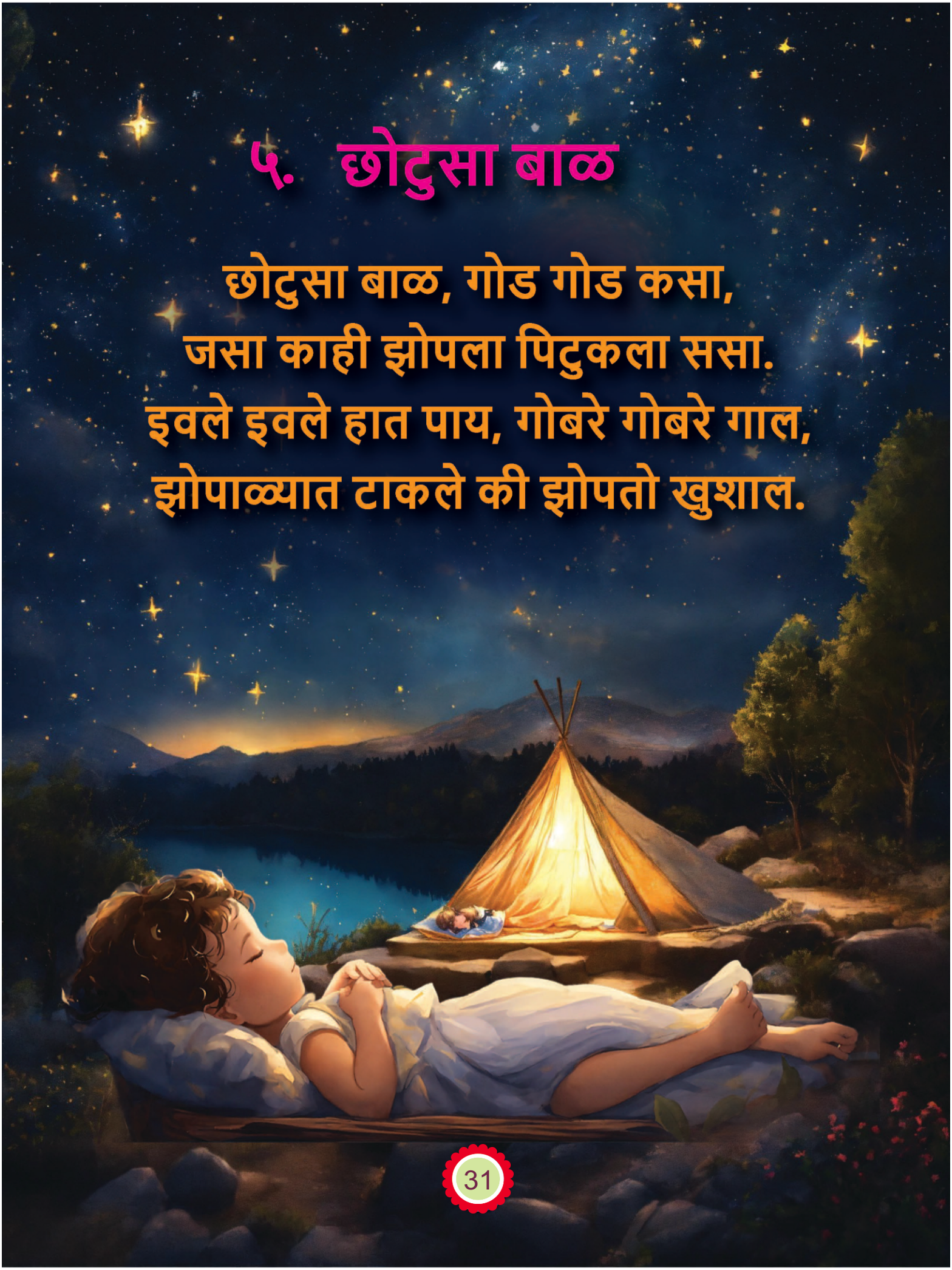

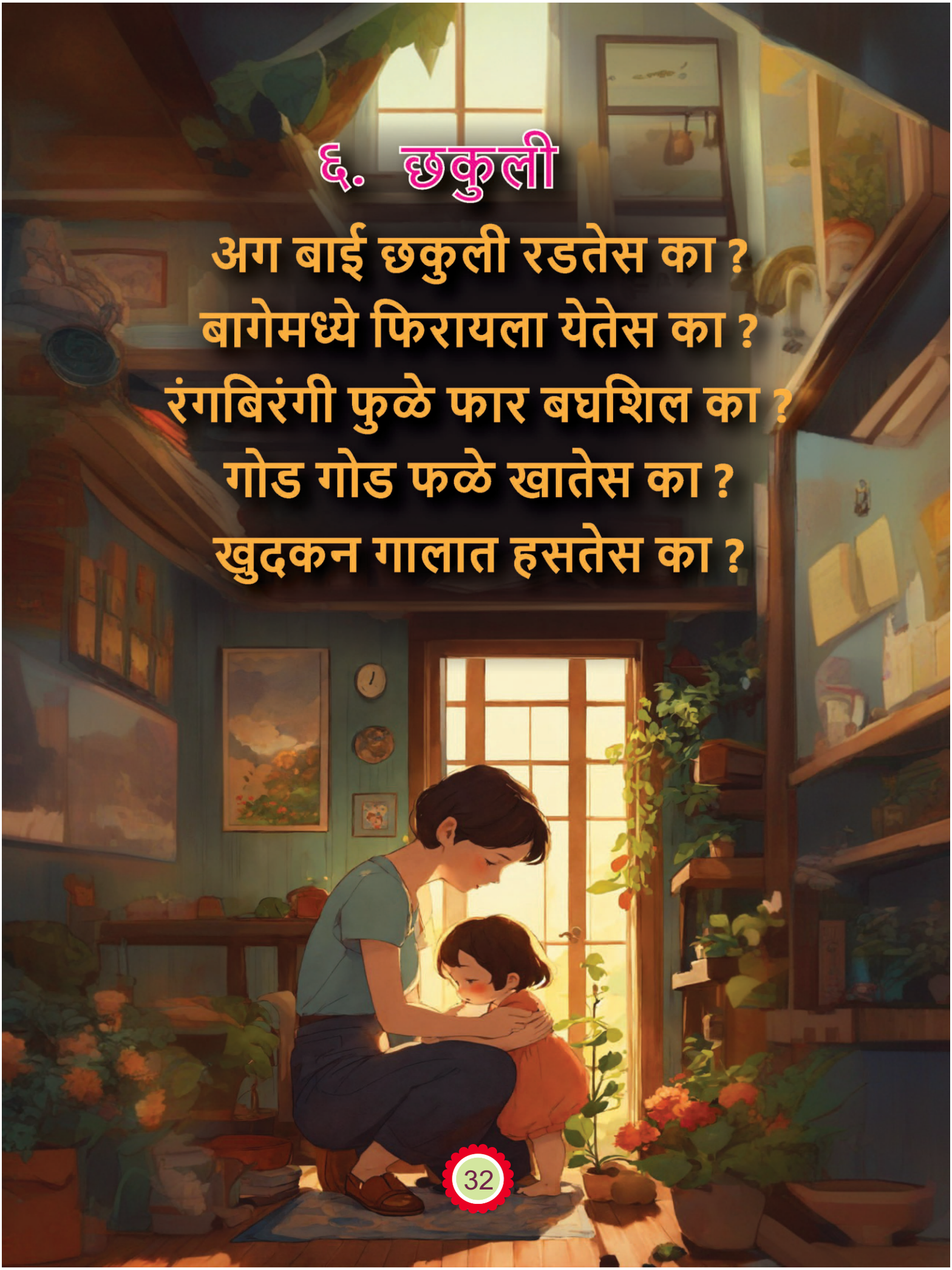

६. छकुली

अग बाई छकुली रडतेस का ?
बागेमध्ये फिरायला येतेस का ?
रंगबिरंगी फुळे फार बघशिल का ?
गोड गोड फळे खातेस का ?
खुदकन गालात हसतेस का ?

७. आमचा मोती

मोत्या आमचा ईमानदार,
भुंकून म्हणतो खबरदार.
रहण्याचा त्याचा मोठा तोरा,
सगळीकडे त्याचा फारच दरारा
नजर त्याची भेदक फार ,
चलने धावणे जोरदार.
आमच्या घरचा तोच राखणदार .

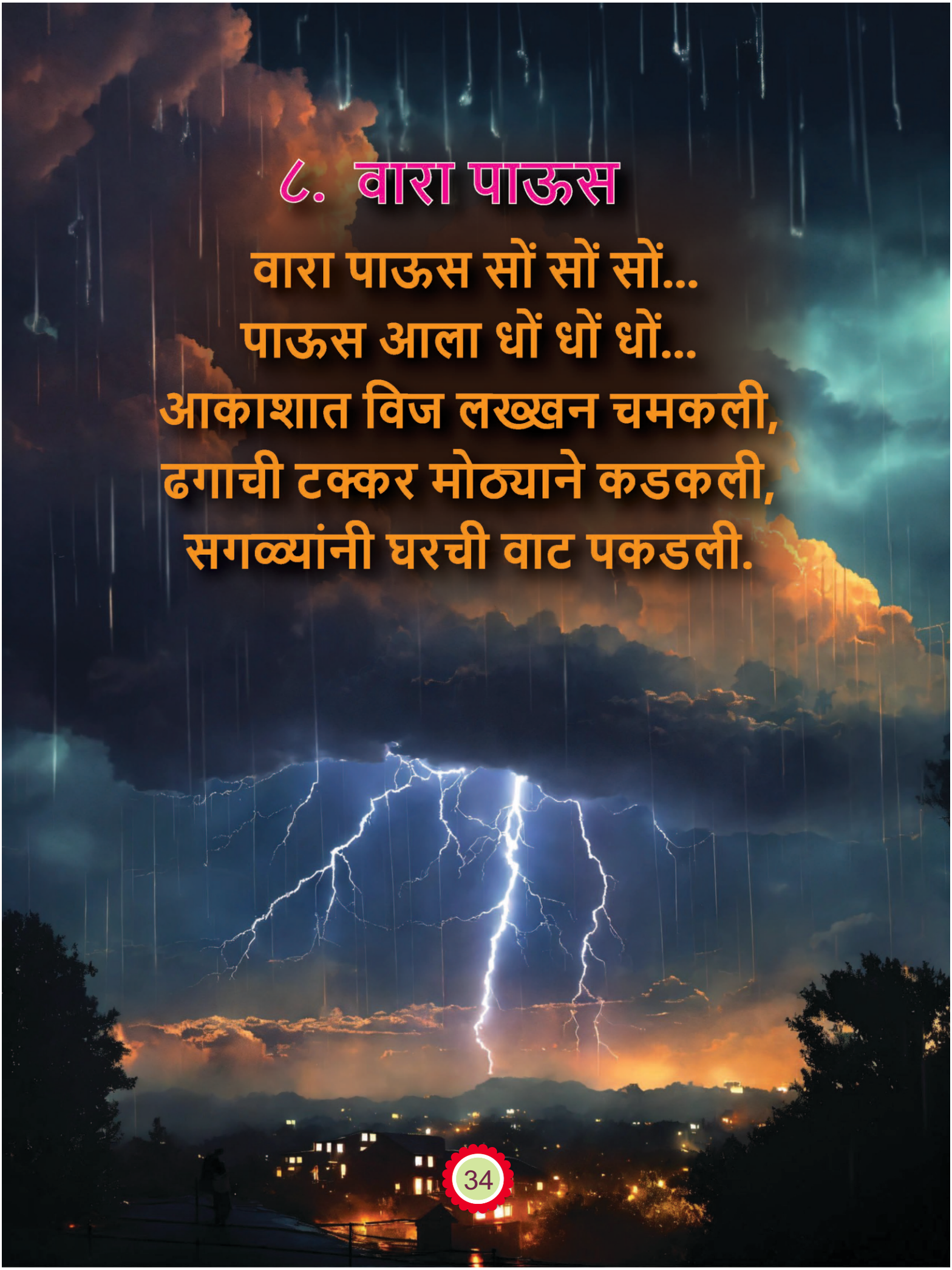

८. वारा पाऊस

वारा पाऊस सों सों सों...
पाऊस आला धों धों धों...
आकाशात विज लख्खन चमकली,
ढगाची टक्कर मोठ्याने कडकली,
सगळ्यांनी घरची वाट पकडली.

९. दिवाळी लाडू

एक होता गोड लाडू,
करंजीला म्हणतो मी तुझा भाऊ,
आणतो बघ खूप सारा खाऊ.
करंजी हसत म्हणाली
भाऊबीजेला ओवाळणी काय सांग पाहु...
गोड गोड लाडू,
चकलीला म्हणतो मी तुझा भाऊ
चकली म्हणाली,
माझ्या अंगावरचे काटे आधी काढ पाहु...
हळुच मध्ये अनारसा हसला
लाडुपंत लाडुपंत,
तुमचा बेत तर नाही फसला.

१०. भोलानाथ

सांग सांग भोलानाथ पाऊस पडेल काय ?
शाळेभोवती तळे साचून सुट्टी मिळेल काय ?

भोलानाथ दुपारी आई झोपेल काय ?
लाडू हळुच घेताना आवाज होईल काय ?

भोलानाथ भोलानाथ खरं सांग एकदा ?
आठवड्यातनं रविवार येतील का रे तीनदा ?

भोलानाथ उद्या आहे गणिताचा पेपर ?
पोटात माझ्या कळ येऊन दुखेल का रे ढोपर ?

११. ताई

नको ताई रुसू, कोपऱ्यात बसू,
येऊ दे गं गालात खुदकन हसू.
इवल्याशा नाकावर मोठा मोठा राग,
देऊ काय तुला हवे ते गं माग.
बहुलीच्या लग्नाचा खेळ गडे खेळू,
लग्नात बूंदीचे लाडु आत वाढू.
चांदीचे ताट तुला चंदनाचा पाट,
केशरी भात केला आहे मोठा थाट.

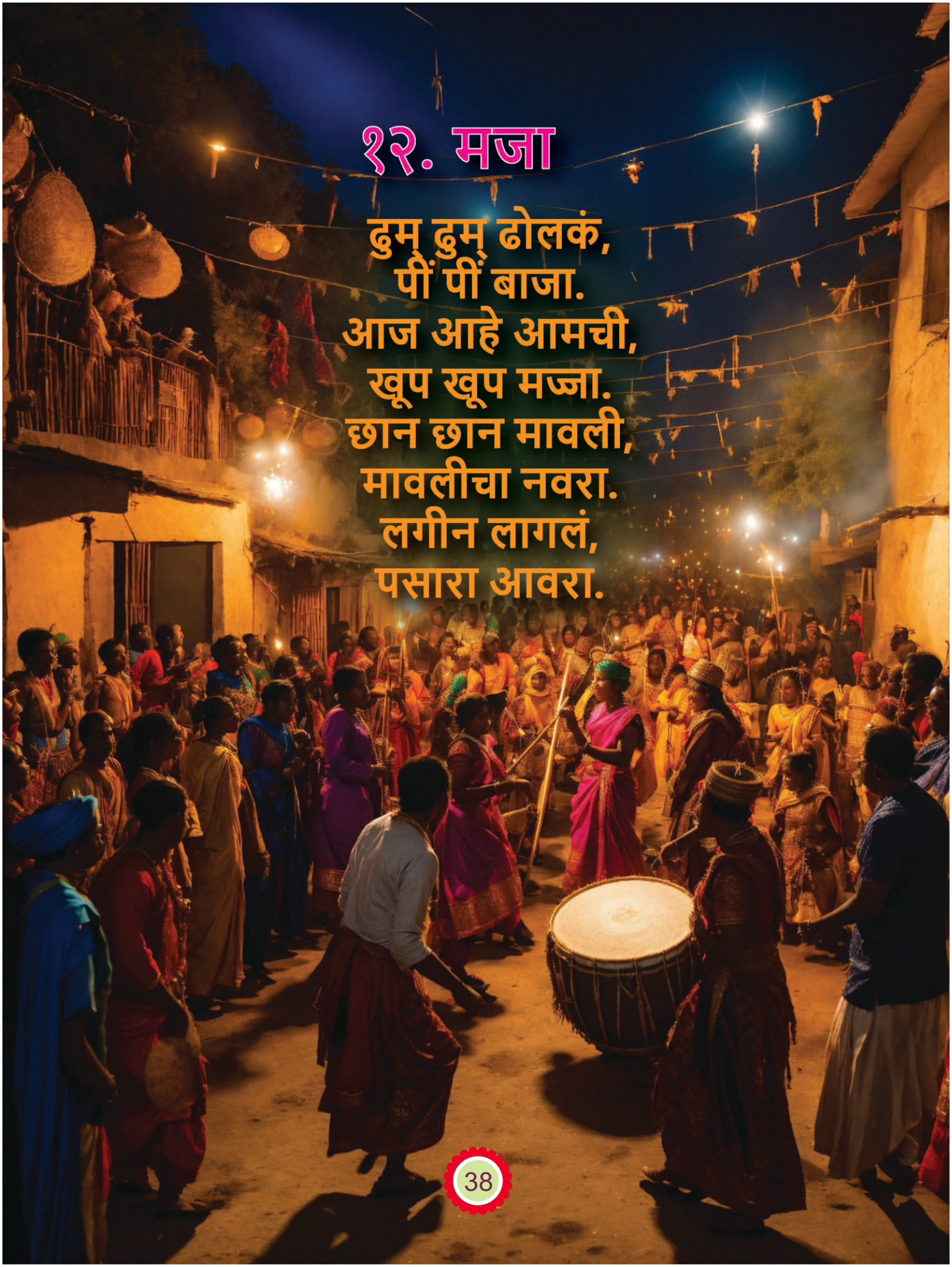

१२. मजा

ढुम् ढुम् ढोलकं,
पीं पीं बाजा.
आज आहे आमची,
खूप खूप मज्जा.
छान छान मावली,
मावलीचा नवरा.
लगीन लागलं,
पसारा आवरा.

Contents

Story for Reading

English

1) The Foolish Wolf's Flute 40
2) Mother's Lesson 41
3) The Geese and the Turtlel 42

हिन्दी

१) टोपीवाला और बंदर ४३
२) मुर्ख गधा ४४
३) भेड़ चरानेवाला लड़का और भेड़िया ४५

मराठी

१) वाघ आणि सोन्याचा हार ४६
२) प्रामाणिक कुत्रा ४७
३) एकीचे बळ ४८

STORY FOR READING

1. The Foolish Wolf's Flute

One day, a wolf saw a large flock of sheep grazing. The wolf furtively stole a lamb. The poor lamb tried very hard to get away but the wolf's hold was very strong. Suddenly, an idea struck the lamb's mind to escape from the wolf. The lamb begged, "Oh wolf! I know that you will kill me. Please be kind and fulfill my last wish." The wolf asked, "What is your last wish?" The lamb replied, "I love music. Before dying, I would love to hear you play the flute." The wolf agreed and started playing the flute. In a while the wolf stopped. The lamb said, "You play so beautifully. Please play a little louder." The wolf was flattered and started playing louder. The shepherd and the dogs heard the sound and came to rescue the lamb. The wolf was caught and the lamb went back to his flock.

Moral: Where there is a will there is a way.

2. Mother's Lesson

Danny was playing when his mother asked him to get some firewood. Danny said he would bring it in the evening. Well, evening came and went but Danny kept playing. Danny only remembered the firewood when it became dark. He told his friend about the firewood. She decided to help him. Soon, they were gathering wood in the dark. Danny's mother was worried about him. So, she went out to look for him. And, she found him with his friend collecting firewood. She was relieved but angry at the same time for Danny's irresponsible behaviour. She decided to teach him and his friend a lesson. So, she hid behind a bush. She picked a stick and broke it. The breaking noise scared the kids. Then, she picked another stick and broke it. The scared kids dropped everything and ran. At home, a scared Danny told the amused Mother that he would always obey her.

Moral: Always obey your parents.

3. The Geese and the Turtle

Once, there was a turtle. He had two geese friends. One day, the geese decided to move to a different place. They asked the turtle if he would come with them. The turtle replied, "How can I? I do not know how to fly?" One of the goose said, "Do not worry. We have a solution." The goose brought a stick. Then both the geese held the ends of the stick. They told the turtle to hold the middle of the stick with his mouth. They warned the turtle not to open his mouth at any cost. The turtle agreed. After a while, the geese flew in the air with the turtle. As they flew, some kids made fun of the hanging turtle. The turtle could not tolerate this and opened his mouth to reply. And, he immediately fell and died. If only the turtle would have remained quiet, he would not have died. The geese were heartbroken.

Moral: Think before you act.

१. टोपीवाला और बंदर

अडोस-पडोस मे दो छोटे-छोटे गाँव थे। दोनों गाँवों के बीच एक जंगल था। इस जंगल में बहुत सारे बंदर रहते थे। एक दिन एक टोपीवाला टोपियाँ बेचने के लिए इस जंगल से हो कर दूसरे गाँव की ओर जा रहा था। वह चलते-चलते थक गया। उसने टोपियों से भरा अपना संदूक एक पेड़ के नीचे रखा और वहाँ बैठ कर आराम से लेट गया। थोड़ी ही देर में उसे नींद आ गई ।

जब टोपीवाले की नींद खुली, तो वह चौंक उठा। उसका संदूक खुला था और सारी टोपियाँ गायब थीं । इतने में उसे बंदरों की आवाज सुनाई दी। उसने ऊपर देखा। उस पेड़ पर बहुत सारे बंदर बैठे हुए थे। सभी बंदरों ने सिर पर टोपियाँ पहनी हुई थीं ।

टोपीवाले को बहुत गुस्सा आया। उसने पत्थर उठा-उठा कर बंदरों को मारना शुरू कर दिया। उसकी नकल करते हुए बंदरों ने भी पेड़ से फल तोड़-तोड़ कर टोपीवाले की ओर फेंकना शुरू किया। अब टोपीवाले की समझ में आ गया कि वह बंदरों से टोपियाँ कैसे वापस ले सकता है। टोपीवाले ने अपने सिर से टोपी उतारी और उसे जमीन पर फेंक दी। बंदरों ने यह देखा, तो उन्होंने भी अपने-अपने सिर की टोपियाँ उतार कर फेंकना शुरू कर दिया । टोपीवाले ने जल्दी-जल्दी टोपियाँ इकट्ठी कीं, संदूक में रखीं और खुशी-खुशी दूसरे गाँव की ओर चल पड़ा।

शिक्षा : सूझबूझ से ही हम कठिनाइयों से पार पा सकते हैं।

२. मूर्ख गधा

एक कुम्हार था। उसने एक कुत्ता और एक गधा पाल रखा था। कुम्हार के मकान के चारों ओर पत्थर की दीवार थी। कुत्ता रोज दीवारी के अंदर उसके घर और मिट्टी के बरतनों की रखवाली करता । गधा अपने मालिक का वजनदार सामान ढोने का काम करता ।

गधा कुत्ते से ईर्ष्या करता था । वह मन-ही-मन सोचता, 'कुत्ते का जीवन कितने आराम का है! केवल दीवारी के भीतर इधर-उधर घूमना और किसी अजनबी को देख कर भौंकना ऊपर से मालिक उसे प्यार से थपथपाता है। उसे अच्छा-अच्छा खाना खिलाता है। मैं दिन भर भारी बोझ ढोता फिरता हूँ। बदले में कुम्हार मुझे क्या देता है ? वह मेरी पीठ पर डंडे लगाता है और खाने के लिए बचा-खुचा घटिया खाना देता है । यह तो वास्तव में घोर अन्याय है।'

कुछ दिन बाद गधे के मन में विचार आया, 'क्यों न मैं भी अपने मालिक को कुत्ते की तरह खुश करने की कोशिश करूँ ? मालिक घर लौटता है, तो कुत्ता उसे खुश करने के लिए कितने प्यार से भौंकता है। पूँछ हिलाते हुए उसके पास पहुँचता है। मुझे भी इसी तरह करना चाहिए। फिर मालिक मुझे भी प्यार करेगा ।'

गधा मन-ही-मन सोच रहा था कि उसी समय उसने मालिक को आते हुए देखा। उसके स्वागत में गधा ढींचू-ढींचू करते हुए रेंकने लगा, खुशी से अपनी पूँछ हिलाने लगा।

गधे की इस हरकत से कुम्हार हक्काबक्का रह गया। उसे लगा कि गधा पागल हो गया है। उसने एक मोटा-सा डंडा उठाया और गधे की खूब पिटाई की ।

बेचारे गधे ने अपने मालिक को खुश करने की कोशिश की थी, पर बदले में उसे डंडे खाने पड़े।

शिक्षा : किसी से ईर्ष्या नहीं करनी चाहिए।

३. भेड़ चरानेवाला लड़का और भेड़िया

एक गांव मे एक भेड़ चरानेवाला लड़का था। वह रोज भेड़ों को चराने के लिए जंगल में ले जाता था। जंगल में वह अकेला होता था। इसलिए उसका मन नहीं लगता था। एक दिन उसे मजाक करने की सूझी। वह जोर-जोर से चिल्लाने लगा, "बचाओ, बचाओ ! भेड़िया आया, भेड़िया आया !"

आसपास के खेतों में किसान काम कर रहे थे। उन्होंने लड़के की आवाज सुनी। वे अपना-अपना काम छोड़ कर लड़के की मदद के लिए दौड़ पड़े। जब वे लड़के के पास पहुँचे, तो उन्हें कहीं भेड़िया दिखाई नहीं दिया ।

किसानों ने लड़के से पूछा, "भेड़िया तो कहीं है नहीं, फिर तुमने हमें क्यों बुलाया ?"

लड़का हँसने लगा। उसने कहा, "मैं तो मजाक कर रहा था । भेड़िया आया ही नहीं था। जाओ, जाओ तुम लोग।" सभी किसान लौट कर चले गये।

दूसरे दिन भी लड़के ने ऐसा ही मजाक किया। लड़के के इस मजाक पर किसानों को बहुत गुस्सा आया । लड़के को डाँट-फटकार कर वे फिर लौट गए।

कुछ समय बाद एक दिन सचमुच भेड़िया आ पहुँचा । भेड़ चरानेवाला लड़का दौड़ कर एक पेड़ पर चढ़ गया और मदद के लिए चिल्लाने लगा। पर इस बार उसकी मदद के लिए कोई नहीं आया। सभी ने यही सोचा कि वह बदमाश लड़का पहले की तरह ही मजाक कर रहा है।

भेड़िए ने कई भेड़ों को मार डाला। इससे लड़के को अपने किए पर बड़ा दुःख हुआ ।

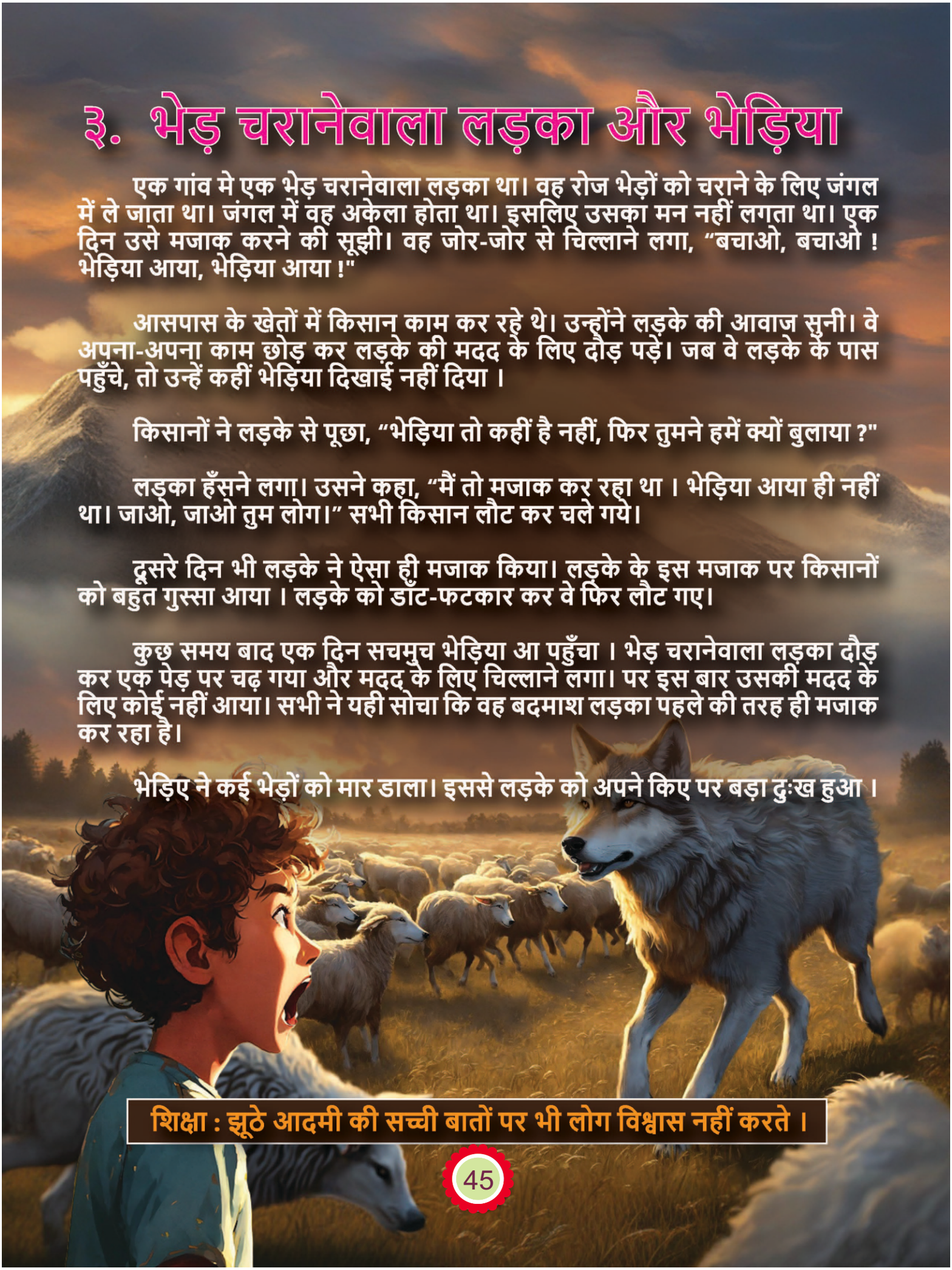

शिक्षा : झूठे आदमी की सच्ची बातों पर भी लोग विश्वास नहीं करते ।

१. वाघ आणि सोन्याचा हार

एक वाघ होता. तो खूप वृद्ध असल्यामुळे धाऊ शकत नव्हता. आणि तो आवाज पण काढू शकत नव्हता म्हणून तो खूप दिवसापासून भुकेला होता.

एकदा त्याला एक सोन्याचा हार मिळाला. त्याने निश्चित केले तो हार अन्न मिळविण्यासाठी वापरायचा. एके दिवशी एक गरिब ब्राह्मण पाण्याच्या तलावा जवळ आला. त्यावेळी वाघ तिथे उभा होता. त्याचवेळी ब्राह्मणाने वाघाला पाहिले. व थरथर कापू लागला. परंतु वाघाने त्याला सांगतिले, "मला घाबरु नको" माझ्या जवळ एक सोन्याचा हार आहे आणि तो मला तुला द्यायचा आहे कारण मी लांब जाऊ शकत नाही. जर तु माझे आदराने हे बक्षिस स्वीकारशील तर मी शांततेने मरेल. ब्राह्मण हारला पाहुन आकर्षित झाला परंतु वाघाकडून घेतांना मागे पुढे विचार करु लागला आणि त्याला द्विधा अवस्थेत म्हटला "प्रिय मित्र त्याला माझ्याकडे फेक."

परंतु वाघ त्याला हळूवारपणे म्हणाला, “महाराज, हे असे फेकून बक्षिस घेणे योग्य नाही, कृपया घाबरु नका आणि हे मी दिलेले बक्षिस स्वीकार करा. ब्राह्मण वाघाच्या नम्र शब्दांना आकर्षुन त्याच्या जवळ जातो तेव्हा वाघ ब्राह्मणाला त्याच ठिकाणी मारतो."

तात्पर्य : लोभ केल्याने शिक्षा मिळते.

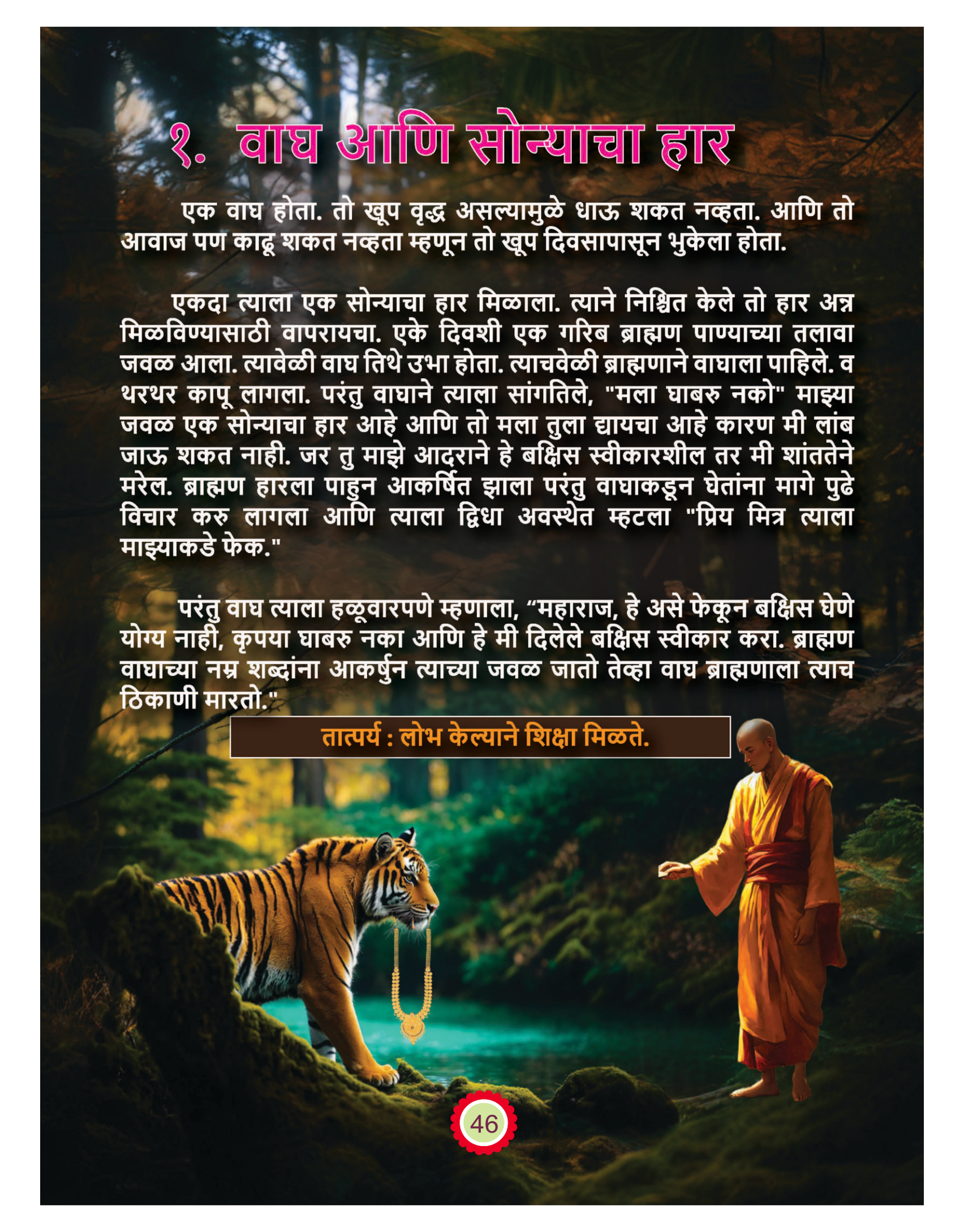

२. प्रामाणिक कुत्रा

एकदा एक श्रीमंत माणसाजवळ एक पाळीव प्रामाणिक असा कुत्रा असतो. तो त्याला रोज छान छान असे खायला द्यायचा. कुत्रा त्याच्या मालकाच्या घराची राखण करायचा.

एके दिवशी श्रीमंत माणसाच्या घरी चोर येतो. तो चोर हळूहळू चालतो. परंतु तेव्हा कुत्रा झोपलेला असतो. जेव्हा चोर घरामध्ये जायला लागतो. कुत्रा लगेच उठतो जोरात भुकायला लागतो.

चोर हुशार असतो. तो एक पावचा तुकडा त्याला खायला देतो. परंतु प्रामाणिक कुत्रा त्या पावच्या तुकड्याकडे दुर्लक्ष करतो. आणि चोर त्याला म्हणतो तो पावचा तुकडा तुझ्यासाठी आहे कधी तुझ्या मालकाने तुला तुझ्या वाढादिवसाला पण दिले नसेल का रे ?

कुत्रा म्हणतो मला तुझ्या पावच्या तुकड्याची गरज नाही. माझा मालक मला फक्त खायलाच देत नाही तर माझ्यावर खूप प्रेम करतो. आणि माझी खूप काळजी पण घेतो. माझा मालक माझी किती काळजी घेतो व प्रेम करतो यासाठी मला कुणाला पुरावा देण्याची गरज नाही. तु इथून चालला जा नाहीतर मालक उठतील आणि घरातील नोकराकडून तुला खूप मारतील.

चोराच्या लक्षात येते की काय विश्वासू व प्रमाणिक कुत्रा आहे आणि चोर निराश होऊन निघून जातो.

तात्पर्य : प्रामाणिकपणा सर्वात मोठा दागिना आहे.

३. एकीचे बळ

एक शेतकरी होता. त्याला पाच मूलगे होते. ते सगळे सशक्तआणि मेहनती होते. पण ते नेहमी एकमेकांशी भांडायचे. कधी कधी ते मारामारीही करत. मुलींनी असे आपसांत भांडून मारामारी करू नये, त्यांनी शांत व समाधानी असावे असे त्या शेतकऱ्याला नेहमी वाटायचे. शेतकऱ्याने खूप वेळा मुलांना समजावले. कधी रागावून सांगितले पण मुलांवर कशाचाच परिणाम झाला नाही.

शेतकरी नेहमी विचार करायचा की, या मुलांना एकत्र कसे आणावे बारे ! एके दिवशी त्याला यावर उपाय सुचला. त्याने आपल्या मुलांना एकत्र बोलावले. त्याने त्यांना एकत्र बांधलेली लाकडाची मोळी दाखवली व म्हणाला, "तुमच्यापैकी कोणीही काठ्या वेगळ्या न करता या मोळीचे दोन तुकडे करून दाखवू शकतो !"

एकामागून एक प्रत्येक मुलाने मोळी तोडण्याचा प्रयत्न केला. सगळ्यांनी आपली शक्ती व कौशल्य पणाला लावले. पण मोळी काही तुटेना.

नंतर त्या वृद्ध शेतकऱ्याने मोळी सोडली. सगळ्या काठ्या वेगवेगळ्या केल्या आणि प्रत्येकाच्या हाती एकेक काठी देऊन ती मोडायला सांगितली. प्रत्येकाने अगदी सहजपणे काठी मोडली.

शेतकरी म्हणाला, "नुसती एक काठी मोडणे सोपे असते. पण त्याच काठ्या एकत्र बांधल्या की त्यांची मजबुती वाढते. म्हणून ती मोडणे कठीण जाते. तुम्ही सर्व न भांडता जर एकत्र राहिले तर शक्तिशाली ठराल. जर तुम्ही एकेकटे राहाल, तर कमकुवत व्हाल. " यानंतर मात्र शेतकऱ्याची मुले आपापसांत कधीही भांडली नाहीत.

तात्पर्य : एकीचे बळ मोठे असते.

बेटी बचाओ
बेटी पढ़ाओ

KEEP YOUR CITY
CLEAN & GREEN

Google Play

- **Book Design By** : Shivali A. Puri
- **Printed by :** Sanjay Offset, New Shukrawari, Nagpur.
- Revised Edition : **2026**

Ⓒ All Rights Reserved with Publisher.

All Books are Available at :

•Mumbai •Ahmadabad •Hyderabad •Delhi •Bhopal.

ISBN 978-93-87379-09-1

₹199.00